(क) आगरा फोर्ट से अहमदाबाद तक चल रही 5 अप व 6 डाउन गाड़िया किस तिथि से बंद कर दी गई ;

(ख) वह कितने दिन तक बंद रही और उन्हे कब तक पुन: चालू किये जाने का विचार है; और

(ग) इतने दिनों तक उनके बन्द होने का क्या कारण था ?

रेल मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री मुहम्मद शफी कुरेशी) : (क) से (ग) 5 अप आगरा फोर्ट अहमदाबाद गाड़ी 18 अप्रैल से 22 अप्रैल 1973 तक, 19 अगस्त से 31 अगस्त, 1973 तक, 1 सितम्बर, से 20 सितम्बर, 1973 की अवधियो मे बन्द रही और 6 डाउन अहमदाबाद-आगरा फोर्ट गाड़ी 19 अप्रैल से 21 अप्रैल, 1973 तक, 19 अगस्त से 31 अगस्त 1973 तक और 1 सितम्बर 1973 से 20 सितम्बर, 1973 तक की अवधियो मे बन्द रही । अप्रैल मे भारी सख्या मे कर्मचारियो के अनुपस्थिति रहने के कारण और अगस्त तथा सितम्बर, मे लाइन की टूट-फूट और कोयले की कठिन स्थिति के कारण इन गाड़ियो को रद्द किया गया था । कठिन कोयले की स्थिति के कारण 5 अप । 6 डाउन गाड़ियों का 19-1-74 से फिर आशिक रुप से जयपुर और अहमादाबाद के बीच बन्द कर दिया गया है और इस सम्बन्ध मे स्थिति मे सुधार होने ही इन्हे फिर से चला दिया जायेगा ।

उर्वरकों का उत्पादन

69. श्री माधवराव सिन्धिया :

श्री हेमेन्द्र सिंह बनेरा :

क्या **पेट्रोलियम और रसायन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मीठापुर में एक उर्वरक परियोजना स्थापित करने के लिये आवेदन पत्र किस तारीख को सरकार को प्राप्त हुआ था और उसकी उत्पादन क्षमता कितनी होगी ;

(ख) उसकी प्रस्तावित उत्पादन क्षमता के बारे में सरकार ने कब तक और क्या क्या आपत्तियां उठाई ;

(ग) वहा पर उर्वरक संयत्र लगाने के लिये अनुमति देने के सम्बन्ध मे अब तक कितनी प्रगति हुई है और इस सम्बन्ध में भावी योजना क्या है; और

(घ) उर्वरक उत्पादन के लिये अनुमति देने मे छ से वर्ष अधिक के विलम्ब के लिये सरकारी नीति के कौन से पहलू जिम्मेदार है ?

पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शाहनवाज खां) : **(क) से (घ).** प्रति वर्ष लगभग 460,000 मी० टन नाइट्रोजन 370,000 मी० टन पी० 2 ओ तथा 279,000 मी० टनो 2 ओ के उत्पादन के लिये मीठापुर में एक उर्वरक संयंत्र स्थापना के लिये एक आशय पत्र हेतु मैसर्स टाटा कैमिकल्स लि० ने मूलत: नवम्बर, 1967 में आवेदन किया था, यह प्रस्ताव प्रयाप्ति मात्रा मे अमोनिया था फास्फेटिक अम्ल के आयात पर आधारित था । बाद में यह निर्णय किया गया कि आयातित अमोनिया का उपयोग पूर्णतया सरकारी क्षेत्र की परियोजनाओं मे ही किया जाना चाहिए । इस निर्णय को ध्यान में रखते हुए आवेदक से अनुरोध किया गया कि वे अपने प्रस्ताव में समुचित संशोधन करें । जनवरी, 1970 में मैसर्स टाटा ने एक संशोधन प्रस्ताव भेजा और सरकार ने 25 जुलाई,

1970 को निम्नलिखित मदों के उत्पादन के लिए आशय पत्र दिया :—

(मी० टन प्रति वर्ष)

(i)	ट्रिपल सुपरफास्फेट/डायामोनियम सल्फेट	300,000
(ii)	अमोनिया	210,000
(iii)	यूरियां	200,000
(iv)	अमोनियम क्लोराइड	180,000

2. सितम्बर, 1970 में आयातित फास्फोरिक अम्ल पर आधारित विभिन्न परियोजनाओं को जिनमे मैसर्स टाटा भी सम्मिलित है, अम्ल के केप्टिव उत्पादन के लिए सुविधाओ का विकास करने तथा तदनुसार अपने प्रस्तावों में सशोंधन करने की सलाह दी गई। ऐसा विश्व बाजार में सल्फर के मूल्य में हुई भारी कमी तथा देश मे काफी राक फास्फेट निक्षेपो के वाणिज्यिक को दोहन के सन्दर्भ मे किया। जुलाई, 1972 में में कम्पनी ने आशय पत्र को और बढ़ाने की प्रार्थना के साथसाफ उसमे सशोधन करने का भी अनुरोध किया ताकि केवल नाइट्रोजनीय उर्वरक के उत्पादन के लिए व्यवस्था की जा सके। मई 1972 में निम्नलिखित क्षमताओ के साथ आशय पत्र मे सशोधन किया गया :

(मी० टन प्रति वर्ष)

(i)	अमोनिया	210,000
(ii)	यूरिया	200,000
(iii)	अमोनियम कलोराइड	180,000

3. पार्टी ने 17-11-1972 को संबंधित आशय पत्र एक औद्योगिक लाइसेंसमें बदलने का निवेदन किया। कम्पनी ने आशय पत्र की शर्तों को पूरा नहीं किया अतएव उसे औद्योगिक लाइसेंस प्रदान करना अभी समय से पूर्व की बात समझा गया परन्तु कम्पनी की प्रगति को ध्यान में रखते हुए उसे 25-7-1970 को प्रदान किए गए आशय पत्र की वैधता की अवधि 31-12-1973 तक बढ़ा दी गई। पार्टी सरकार को बता चुकी है कि वह इस परियोजना को और आगे चालू नही रखना चाहती। पार्टी ने आशय पत्र की वैधता की अवधि को बढ़ाने के लिये भी आवेदन नही किया है। आशय पत्र की वैधता की तिथि 31 दिसम्बर 1973 को समाप्त हो गई।

समुद्र से तेल और गैस की खोज

70. **श्री लाल जी भाई** . क्या **पेट्रोलियम और रसायन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि .

(क) क्या बहुत से देश समुद्र से पैट्रोलियम और गैस निकालने में सफल हो गये हैं ,

(ख) यदि हां, तो भारत ने इस दिशा मे क्या प्रयत्न किये है ; और

(ग) इस प्रयत्न में कौन कौन से देश भारत की मदद कर रहे हैं या करने वाले है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय राज्य मंत्री (श्री शाहनवाज खां): (क) अतटीय क्षेत्रों अर्थात आस्ट्रेलिया , ब्रिटेन, नार्वे, अफ्रीका के पश्चिमी तट आदि में गैस तथा तेल के बड़े भंडार पाये गये है। फारस की खाड़ी, अफ्रीका, इंडोनेशिया तथा अमरीका में भी अतटीय क्षेत्रों मे तेल के काफी भंडार पाये गये है।